अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 268 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | नवम्बर 2020

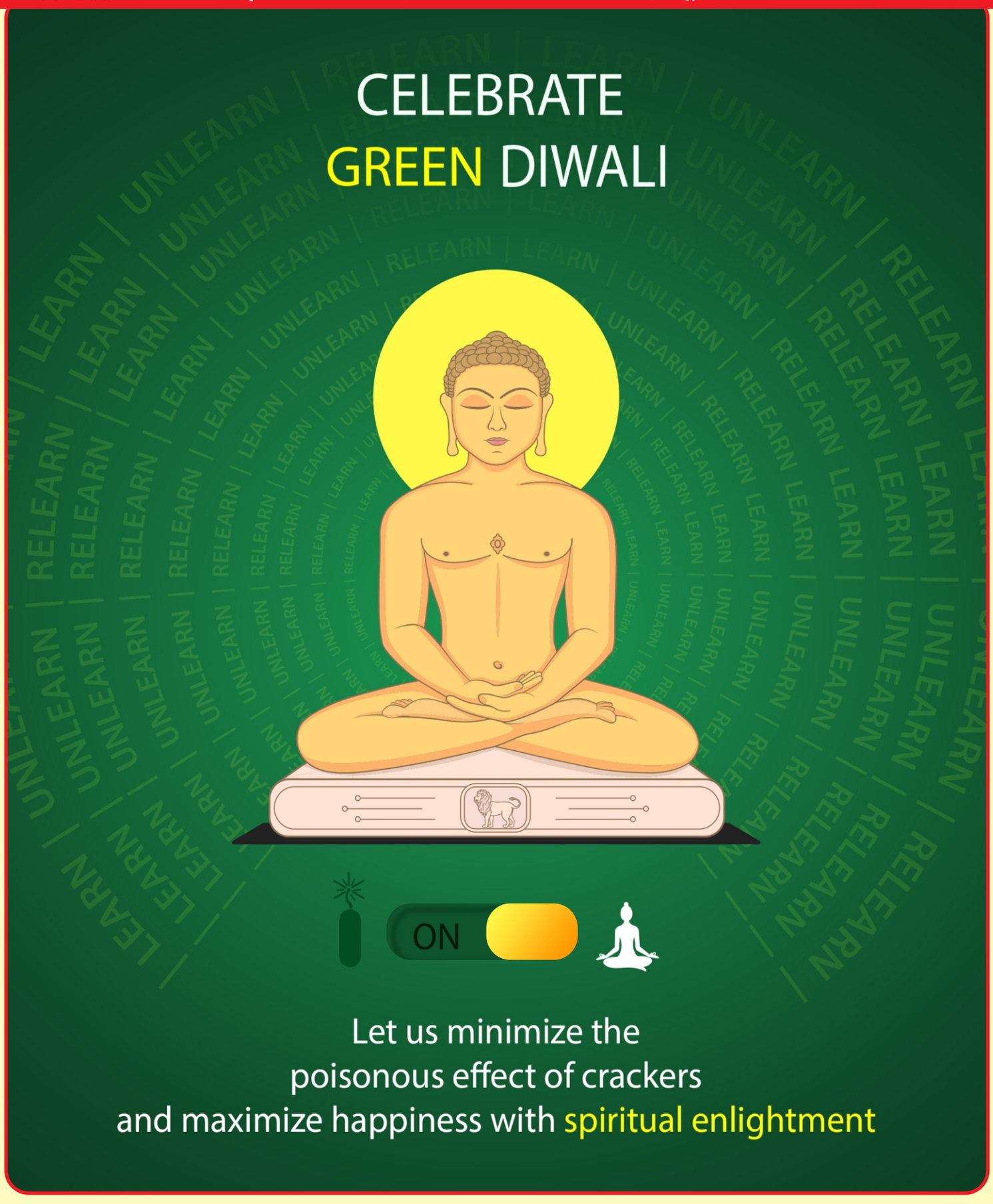

ऊर्जावाणी

सृजन का एक सूत्र - संयम

जीवन के मूल्यों में एक महत्वपूर्ण मूल्य है - संयम। खाने-पीने से लेकर मनोरंजन के साधन जुटाने तक मनुष्य संयम की आंशिक साधना भी करता रहे तो पर्यावरण के असन्तुलन को रोक सकता है। इसके लिए विकसित राष्ट्रों को दोषी ठहराने मात्र से समाधान नहीं होगा। विश्व का एक-एक व्यक्ति संयम की बात सीखेगा, पर्यावरण को बिगाड़ने में अपनी हिस्सेदारी को छोड़ेगा, तब ही इस विकट समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है।

आचार्य श्री तुलसी

काम, क्रोध, लोभ से क्या होता है?
शरीर हमें कितना प्रभावित करता है?
यदि हम शरीर के प्रभाव से बहुत प्रभावित रहेंगे तो
(आत्मा भिन्न : शरीर भिन्न) भेद विज्ञान का कोई अर्थ नहीं होगा।
शरीर के 3 दोष - वायु, पित्त और कफ बहुत प्रभावित करते हैं।
हमारी प्रवत्तियों का सबसे बड़ा संचालक तत्व है - वायु।
काम, शोक और भय से वायु कुपित होता है। क्रोध से पित्त कुपित होता है। लोभ से कफ कुपित होता है। धर्म या कर्म में जो बाधाएं हैं, वे इन्हीं सब कारणों से आते हैं।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ

आज प्रत्येक घर में ईष्या, संघर्ष, दुःख और अशांति का जो वातावरण है
उसका एक ही कारण है और वह है प्रेम का अभाव।
आग को आग नहीं बुझाती, पानी बुझाता है।
प्रेम से दुनिया को तो क्या दुनिया बनाने वाले तक को जीता जा सकता है।
पशु-पक्षी भी प्रेम की भाषा समझते हैं।
तुम प्रेम बाटों, इसकी खुशबू कभी खत्म नहीं होती।

आचार्य श्री महाश्रमण

सृजन की चेतना

जिस परिवार के सदस्य एक दूसरे को सहन करते हैं, एक दूसरे के सुख-दुख में अपनी भागीदारी रखते हैं, परम्पराओं और वर्जनाओं के प्रति सचेत रहते हैं, उपभोक्तावादी मूल्यों से अप्रतिबद्ध रहकर जीवनयापन करते हैं, अर्थ या पदार्थ को जीवन का साध्य नहीं साधन मानते हैं, पारिवारिक हित के लिए व्यक्तिगत हित को गौण कर देते हैं तु आग्रह से दूर रहते हें, वह परिवार एक आदर्श परिवार हो सकता है।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

आचार्य तुलसी के 107वें जन्म दिवस पर सम्पूर्ण महिला समाज की श्रद्धायुक्त श्रद्धांजली

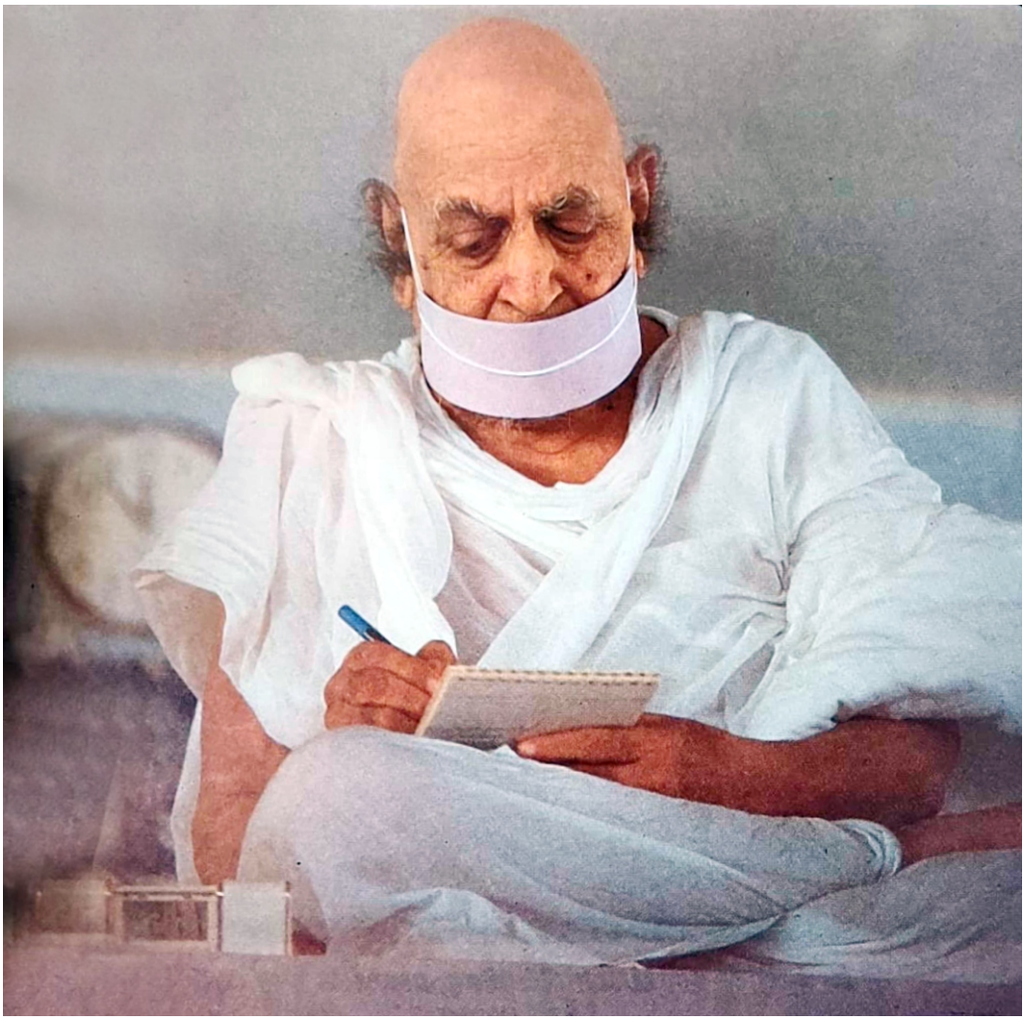

तुलसी तुम थे कितने निराले
तुलसी तुम थे कितने निराले, नारी समाज को दिए नये उजाले

सिसक रही थी हर महिला, अपनी ही चारदीवारी में,
तिल-तिलकर न्यौछावर होती, अपनी हर जिम्मेदारी में,
पर तुम न आते तो कैसे खुलते, ये किस्मत के ताले।।

पारिवारिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, हर कार्य में था अमिट उत्साह,
थी समर्पित संघ संघपति के प्रति, मिलती हरदम शीतल छाहं
पर कद्र न करता कोई उसकी, खाने को भी पड़ते पाले।।

पर अब न रुकेगी, नहीं झुकेगी, आरोहण हम करती जाएं
पथ दर्शन मिल रहा महाश्रमणजी का सोपानों पर चढ़ती जाएं
राह दिखाती महाश्रमणीजी, अब न रहेंगे साए काले
तुलसी तुम थे कितने निराले, नारी समाज को दिए नये उजाले।।

अध्यक्षीय

दिपावली क्यों मनाते हैं?

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र,

दीपावली की झिलमिलाती रोशनी के साथ अनंत-अनंत शुभकामना।

1. सत्य की जानकारी के लिए असत्य का बोध होना भी आवश्यक है। असत्य को जानकर ही स्वयं सत्य के बोध से भर सकते हैं। दीपावली कभी पूर्णिमा को नहीं होती वह सदा अमावस्या को होती है क्योंकि अंधकार की प्रतीति के बिना, अंधकार के ज्ञान के बिना प्रकाश का महत्व न होगा। जीवन में जो अज्ञान रूपी असत प्रवृतियों का अंधकार छाया है उसे भलिभांति पहचान कर सत्यता की ओर कदम बढ़ाए। ताकि प्रकाश पर्व को सार्थक बना सके।
2. यह अंधकार पर प्रकाश की विजय का त्यौंहार है गुरु दिवाकर होते है गुरु का काम अंधकार को हरना और प्रकाश को फैलाना है। समाज में अज्ञान का अंधकार फैला हुआ है। गुरु समाज में अपनी ज्ञान रश्मियां बिखेरते है आचार्य श्री महाश्रमण हम लोगों के दिलों में अपने उद्‌बोधन द्वारा ज्ञान दीप प्रज्वलित करते हैं।
3. भारतीय संस्कृति में पर्वों-त्यौंहारों की एक महान परम्परा है। वह परम्परा सामाजिक, धार्मिक व राष्ट्रीय हो सकती है दीवाली भारत का राष्ट्रीय त्यौंहार है। दीवाली को लगभग सभी धर्म के लोग मनाते हैं। यह पर्व सुख-समृद्धि और खुशहाली की सौगात लेकर आता है।

लक्ष्मी और श्री पर्यायवाची है श्री का अर्थ है लक्ष्मी। लक्ष्मी दो प्रकार की होती है अंतरंग लक्ष्मी और बाह्य लक्ष्मी। अनंत ज्ञान, अनन्त दर्शन, अनन्त सुख और अनंत वीर्य आदि स्वाभाविक गुणों को अंतरंग लक्ष्मी कहते हैं। हमें अंतरंग लक्ष्मी को पाने की कोशिश करनी चाहिए। धन-सम्पदा बाह्य लक्ष्मी है। इस त्यौंहार को मनाने की अनेक परम्पराएं प्रचलित है।

(1) पौराणिक मान्यता है कि कार्तिक एकम् से प्रारम्भ हुए सागर मंथन में अमावस्या को लक्ष्मी प्रकट हुई इसलिए कहीं दीवाली व कहीं लक्ष्मी जयंति मनाई जाती है।

(2) कहते हैं भगवान श्री राम 14 वर्ष के वनवास के अन्त में लंका दहन कर रावण पर विजय प्राप्त करके अयोध्या नगरी लौटे तो नगरवासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया।

(3) एक कथानुसार - ज्योतिषपुर के नरेश नरकासुर का चौदस को वध करके उस दुष्ट दैत्य से 16 हजार कुमारियों को मुक्त कराकर विष्णु के अवतार भगवान कृष्ण के द्वारिका लौटने पर खुशी के दीप जलाए गए थे।

(4) धन के देवता कुबेर के नाम पर इस दिन पूजा की जाती है इस रात्रि को यक्ष रात्री कहकर मनाने की प्रथा है।

(5) सिक्खों में - मुगल सम्राट जहांगीर द्वारा 52 राजाओं को ग्वालियर दुर्ग में बन्दी बनाया हुआ था। सिक्खों के छठें गुरु हरगोविन्दसिंह ने अपनी बुद्धि व श्रम से इस दिन मुक्त कराया।

(6) पाण्डव भी 12 वर्ष का वनवास काटकर इस दिन घर लौटे थे।

(7) भगवान महावीर तीस वर्ष तक गृहस्थ रहे, साढ़े बारह वर्ष साधना की, तीस वर्ष के केवल्यवस्था में रहकर दीवाली के दिन निर्वाण प्राप्त किया तब मल्लवी व लिच्छवी के नौ-नौ राजाओं ने पौषधोपवास के बाद दीप जलाकर प्रकाश किया।

(8) इसी दिन राजा विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था इसलिए दीप जलाकर महोत्सव मनाया गया।

(9) स्वामी दयानंद सरस्वती ने दीवाली के दिन आर्य समाज की स्थापना की।

बढ़ती मंहगाई, भावनात्मक संकीर्णता, आंतक एवं हिंसा की विकट परिस्थितियों में घिरा हुआ है मानव। उसे सत्य का आलोक ही संकट से बचा सकता है हमें प्रकाश पाने के लिए स्वयं में उसकी पात्रता अर्जित करनी होगी। स्नेह, सौहार्द व भाई-चारे जैसे सकारात्मक मूल्य विकसित करने होंगे। तभी हम प्रकाश से रूबरू हो सकते हैं।

स्नेह सुधा से आपुरित इन दीपों से संदेश मिला है।
पहले जलता एक दिया, फिर उससे हर दीप जला है।
दीपावली शुभ्र ज्योतिर्मय, सत पावन विजय असत पर
शांति-प्रीत का पाठ पढ़ाता, दंभ-द्वैष का कलुस मिटाकर।।

आपकी
पुष्पा बैद

LEARN • UNLEARN • RELEARN

LEARN • UNLEARN • RELEARN

प्यारी बहनों,

स्व से शिखर के ट्रेनिंग प्रोग्राम के 6 पायदान हमने पिछले 12 माह में पूरे किए। आप सभी की जागरूकता और उत्साह से परिपूर्ण कार्यशालाओं की सराहना करता है अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल।

बहनों,हम ऐसे अभूतपूर्व समय में रह रहे हैं जहां हमें चहुं दिशा से बेशुमार जानकारियां प्राप्त हो रही है। सभ्य समाज के प्रारंभिक काल के बाद वर्तमान का समय ही ऐसा समय है जहां संसूचना का विशाल तानाबाना हमारे ईर्दगिर्द बुना हुआ है। इन नवीनतम रुझानों और नवाचारों के साथ हमारे गुणात्मक समाज में बने रहने के लिए सही ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है। जब भी नवाचार आते हैं तो यह आवश्यक है कि हम यह मूल्यांकन करें कि हमारे दैनोदिन्य जीवन तथा हमारे व्यक्तिगत उत्थान में वे कितने सहायक सिद्ध हो सकते हैं। यदि वे सहायक हैं तो पुरानी प्रक्रियाओं को बदलने के लिए हमें स्वतः तैयार रहना चाहिए। कई व्यक्ति समयानुसार अपनी सोच को परिवर्तित नहीं करते हैं और बदलते परिप्रेक्ष्य में अपने आप को असहाय पाते हैं। यहां जरूरत है learning, unlearning and relearning की।

लेकिन unlearn and relearn से हमारा क्या तात्पर्य है? मूल्यवत्ता और गुणवत्ता सृजन हेतु हमें पुराने तरीकों को गौण करना होगा। पूर्वाग्रहमुक्त होकर पुरानी आदतों, जानकारियों एवं प्रक्रियाओं से परे हटकर नई आदतों, प्रकियाओं और जानकारियों हेतु जगह बनाना unlearn है। Unlearn पुराने ज्ञान और प्रक्रियाओं को भूलने के बारे में नहीं है, अपितु यह एक नई वैकल्पिक वास्तविकता, मॉडल या प्रतिमान को चुनने और उपयोग में लाने की क्षमता के बारे में है। जब हम relearn करते हैं तो हम अपने पूर्व ज्ञान और कौशल में ही नया अध्याय जोड़ते हैं। और यह केवल unlearn से ही संभव है। Unlearn से हम मौजूदा सोच के बाहर कदम रखते हैं और एक अलग मानसिक प्रकिया चुन सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को learn, unlearn and relearn प्रकिया को निरंतर अपनाने की सतत् आवश्यकता है।

दार्शनिक एल्विन टॉफलर ने कहा है The illiterate of the 21st century will not be those who cannot read and write, but those who cannot learn, unlearn, and relearn.

यह सर्वविदित है कि ज्ञानार्जन का कोई अंत नहीं है। जीवनपर्यन्त सीखने की प्रक्रिया सम्पन्न नहीं होती। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने भी ज्ञानार्जन के एक हेतु में learn, unlearn, and relearn की प्रकिया सम्मिलित की है। मासिक कार्यशाला के नवोदित रूप में हम learn, unlearn, and relearn के अंतर्गत सम्पादित करते हुए प्रत्येक महीने आपको एक नया विषय प्रदान करेंगे जो हमारी बहनों और कन्याओं के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास में योगभूत बनेगा।

नवंबर माह का करणीय कार्य...

आओ करें दीपावली पर भगवान महावीर को वंदन।

Learn -Unlearn-Relearn के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन –

LEARN -

1. हमें बाजार में मिलने वाली विदेशी व चायनीज लाइटें न जलाकर दीए जलाने चाहिए।
2. दीए के प्रकाश की तरह आध्यात्मिक प्रकाश से अपनी आत्मा को ज्योतिर्मय बनाएं।
3. कोशिश रहे कि दीपावली पर पूरा परिवार कहीं भी हो, साथ मिलकर मनाएं।

UNLEARN -

1. दिपावली के दिन आतिशबाजी न करें, इससे पोल्यूशन फैलता है, आग लगने का व जलने का डर रहता है।
2. बहुत से स्त्री पुरुष व युवा दीपावली के दिन जुआ खेलते है न खेलने का संकल्प लें।

3. गहनें, कपड़े, चांदी, सोना खरीदने में देखा देखी न करें, प्रदर्शन से बचें।

RELEARN -

1. कृत्रिम प्रदर्शन में हमारी मूल सांस्कृतिक भावना लुप्त होने लगी है। हर्षोल्लास से त्यौंहार मनाना, मिठाईयां के साथ खुशियां बांटना, दूसरे दिन प्रेम, सौहार्द से मिलने की मूल भावना को अपनाएं।
2. पहले घर में मांडणा मांडे जाते थे, अब भी मांडने की कोशिश करें।
3. समर्पिता बनकर सास-ससुर, पति एवं बच्चों के साथ लक्ष्मी पूजन के साथ सामुहिक महावीर स्वामी, केवल ज्ञानी गौतम स्वामी चवन्नाणी का जप करें।

स्व से संकल्प

जैन परम्परा में अनेक प्रभावक स्तोत्र एवं स्तुति काव्य सृजित हुए है। उनमें दो महत्वपूर्ण स्त्रोत है - भक्तामर स्त्रोत और कल्याण मंदिर स्त्रोत। भक्तामर स्त्रोत अब पूर्णता के पायदान पर आरोहण कर चुका है। इस माह से आपको कल्याण मन्दिर स्त्रोत दिया जाएगा। कल्याण मंदिर स्तोत्र की विषय वस्तु है-'भगवान पार्श्व की स्तुति।' आचार्य सिद्ध सेन दिवाकर ने राजा विक्रमादित्य के आग्रहपूर्ण अनुरोध पर शिव मंदिर में इस प्रभावक स्तोत्र की रचना करते हुए **पुरुषादाणीय भगवान पार्श्व** की स्तुति की। ये स्तोत्र संभवतः हजारों हजारों श्रद्धालुजनों को कंठस्थ है और इसका प्रतिदिन पाठ किया जाता है। काव्य की समाप्ति में आचार्य सिद्धसेन लिखते है - ''इत्यं समाहितधियो विधिवज्जिनेन्द्रः'' जैसे मैंने स्तुति की है वैसे ही समाहित बुद्धि वाले लोग विधिपूर्वक आपकी स्तुति करें।

आओ दीपावली की रात को ''महावीर स्वामी केवल ज्ञानी, गौतम स्वामी चवन्नाणी'' का जप करें।

कंठस्थ ज्ञान

नवम्बर माह में कल्याण मंदिर स्त्रोत के प्रथम चार श्लोक याद करने का लक्ष्य रखें।

इस बार आपको 12वें तीर्थंकर श्री वासुपूज्य प्रभु की गीतिका याद करने का लक्ष्य रखें।

स्व से शिखर की यात्रा का षष्ठ चरण आध्यात्मिक नैवान्हिक अनुष्ठान

नवरात्रि की पावन बेला में किया अभिनव प्रयोग
उपसर्गहर स्त्रोत, पैंसन्ठिया छन्द, लोगस्स पूर्ण मनोयोग
प्रतिदिन नौ मंगल भावना से भावित हो, की अनुष्ठान की शुरुआत
ध्यान, मंत्रों और मुद्राओं के प्रयोग से भावित किया स्वयं का स्वभाव
जाना मंगलकारी मंत्रों की रचना का इतिहास
कैसे करें इनकी साधना और जप, जिससे जागे नव उच्छवास
अहम् से अर्हम् की ओर किया प्रस्थान
आत्म शुद्धि का माध्यम बना यह सात्विक अनुष्ठान
सकारात्मक ऊर्जा का हुआ स्फुरण
शुद्ध, बुद्ध हुआ हर कण-कण।

कहते है पथ पर पथिक के पांव नहीं संकल्प चलते हैं, और गुरुकृपा बरसे तो पंगु भी पहाड़ चढ़ जाते हैं। इस नवान्हिक आध्यात्मिक अनुष्ठान में अनेंकों शाखा मंडलों के साथ सैंकड़ों-सैंकड़ों साधक-साधिकाएं जुड़ी केवल देश भर से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी। इस अनुष्ठान की विशेष उपलब्धि रही कि पश्चिम रात्रि यानि ब्रह्ममुर्हत में भी बहन-भाई जूम के माध्यम से सामुहिक साधना से जुड़े। समणीवृंद व धर्म संघ के विशिष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा साधना के विविध बिन्दुओं की विश्लेषणात्मक व्याख्या करते हुए जन मेदनी को अनेक प्रयोगों से जोड़ा गया। कहीं नौ मंगलभावना का सूक्ष्म विवेचन, तो कहीं मंत्रों की गुढ़ता, गहनता एवं महत्ता को उजागर किया गया। कहीं लोगस्स के पद का गहराई से शब्दार्थ व भावार्थ समझाया गया तो कहीं मंत्रों का अर्थ व प्रयोग बताया गया। जिससे लोग तन मन से जुड़े और यह स्व से शिखर की यात्रा बहुत ही सुखदाई, आनंदमयी व रोचक रही।

बुलंद हौंसले – निश्चित कामयाबी

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र

झिलमिलाती दीपों की रोशनी से प्रकाशित यह दीपावली आपके जीवन में सुख–समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए यही शुभकामना करते हैं।

दीपावली दीपों का पर्व है। आध्यात्मिक रूप से यह अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। जिसे हम प्रतिवर्ष धूमधाम से मनाते हैं। इस बार कोरोना महामारी से पूरा विश्व संत्रस्त है, तो क्या हुआ? इस बार हमें और धूमधाम से दीपावली मनानी है – अपनों के साथ, अपनेपन के साथ, आध्यात्मिकता के साथ, सांस्कृतिक परंपराओं के साथ, परिवार के साथ, Social Distancing के साथ।

तो आइए इस बार हम मनाते हैं पारंपरिक व स्वदेशी दिवाली कुछ अलग अंदाज में :–

1. पारम्परिक मांडणा व Selfy प्रतियोगिता :–

मांडणा भारत की संस्कृति व लोक कला से जुड़ी प्राचीन विरासत है, जिसे विशेष व मांगलिक अवसरों पर घर–आंगन में अलंकृत किया जाता है। यह श्री व समृद्धि का प्रतीक है। परम्परागत मांडणा के साथ परम्परागत मिट्टी के दीपक जलाकर लें पूरे परिवार के साथ Selfy।

दीपावली में दिखे दीए व मांडणा के रंग।
एक सेल्फी हो जाए, प्यारे परिवार के संग।।

प्रथम स्थान पर रहने वाली Selfy को इन दो 9903518222, 8099990535 नं. पर प्रेषित करें।

2. Go Green ...-

पर्यावरण को शुद्ध, प्रदूषण रहित व हरा–भरा बनाए रखने के लिए इस महामारी में वायु प्रदूषण व विभिन्न बिमारियों के खतरे को टालने के लिए स्वयं व दूसरों को भी पटाखे न जलाने का संकल्प कराएं।

3. Made in India ...-

स्वदेशी दीपावली मनाएँ। घर को सजाने हेतु –

विदेशी सामान का करें बहिष्कार।
स्वदेशी दीपावली मनाएं हर बार।।

4. आध्यात्मिक जप योग :–

दीपावली के दिन एक माला फेरें –

''महावीर स्वामी केवलज्ञानी, गौतम स्वामी चवन्नाणी''

दीपावली के पश्चात् दिनांक 22 नवम्बर 2020 को सायं 7.00 बजे हमारा पूरा कन्या मंडल परिवार मनाएंगे – Safe & Grand Virtual Diwali परम्परागत अंदाज में।

"DEEPSHIKHA"

इसकी सूचना व समस्त जानकारी आप को ABTKM Group में दे दी जाएगी।

आपकी दीदी
रमन पटावरी

संवर्धन कार्यशाला

सफलता, विजय और विकास का आधार है संवर्धन। संवर्धन का महत्त्वपूर्ण सूत्र है बढ़ना, गतिशील बनना। गतिशीलता के लिए नवमाधिगास्ता गुरुदेव तुलसी ने सम्पूर्ण महिला समाज को खुला आकाश दिया। खुले आकाश में पक्षी भी स्वतंत्र उड़ान भरते-भरते अपने लक्षित स्थान पर पहुंच जाते हैं। परमाराध्य परम पूजय गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी एवं असाधारण मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी के कुशल निर्देशन में अ.भा.ते.म.मं. अपने लक्ष्यों को संवर्धित करने के लिए संघ, समाज एवं राष्ट्रीय स्तर पर विकास के कदमों को समय-समय पर नई गति, नई ऊर्जा को प्राप्त करने अहर्निश प्रयत्नशील है। संवर्धन कार्यशाला विकास के कुछ ओर नए आयाम द्वारा पूज्य प्रवर एवं महाश्रमणी जी के सपनों को साकार रूप देगी ऐसी मंगल कामना एवं भावना के साथ.....

महिला सशक्तिकरण की देश भर में गुंजेगी आवाज
कार्यशाला में आओ मिलकर करें अपना चहुँमुखी विकास

गंगाशहर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संवर्धन कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल गंगाशहर द्वारा **संवर्धन कार्यशाला** का वर्चुअल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के मंगल पाठ से हुआ। उसके पश्चात् महिला मंडल और कन्या मंडल द्वारा संवर्धन गीत की प्रस्तुति दी गई। गंगाशहर तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती ममता रांका ने कहा कि संवर्धन की शुरुआत लॉकडाउन के दौरान ही हो गई थी जिसके अंतर्गत विविध जप-तप अनुष्ठानों के माध्यम से आध्यात्मिक संवर्धन के आयोजन किए गए। अध्यक्ष ममत रांका ने बताया कि इस संवर्धन कार्यशाला के लिए पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने भी संदेश प्रेषित किया है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा बैद ने कहा कि लॉकडाउन अवधि में गंगाशहर तेरापंथ महिला मंडल ने श्रेष्ठ सेवा कार्य किए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्रीमती ममता रांका की टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन कार्यशालाओं के माध्यम से महिला समाज को विकास की एक नई दिशाएं मिलेगी।

मुख्य वक्ता सूर्यप्रकाश सामसुखा ने संवर्धन का विशिष्ट अर्थ बताते हुए विधेयात्मक भावों का संवर्धन करने की प्रेरणा दी। सामसुखा ने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है कि हम नैतिकता व प्रामाणिकता के साथ आगे बढ़ें। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने कहा कि नारी को अपने भावनात्मक संवर्धन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वर्चुअल मीटिंग में पत्रकार लक्ष्मण राघव सहित अनेक जनों ने हिस्सा लिया। पूरे बीकानेर चौखला से लोग कार्यशाला में शामिल हुए।

क्षेत्रीय प्रभारी संतोष बोथरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा मंत्री कविता चौपड़ा ने आभार जताया। वर्चुअल संवर्धन कार्यशाला का संचालन सुप्रिया राखेचा ने किया।

जैन धर्म दिखलाता है कोरोना जैसी महामारी से बचने की राह - डॉ. के. के. अग्रवाल

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा नेशनल अवेयरनेस सेफ्टी वीक के अंतर्गत zoom and Facebook live के माध्यम से online webinar का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में देश के सुविख्यात कार्डियोलोजिस्ट एवं सीनियर फिजिशियन और हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के प्रेसिडेंट पद्मश्री डॉ. के. के. अग्रवाल ने Covid -19 Be Aware, Be Alert विषय पर विस्तार से कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की एवं अपने अनुभव साझा किये।

उन्होंने अपने विचारों को विशेष रूप से जैन धर्म पर केंद्रित करते हुए बताया कि किस प्रकार नवकार मंत्र के उच्चारण से गंभीर बीमारियों से भी बचाव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया जिस कोविड - 19 वायरस से भयभीत है उस वायरस ने आज जैन धर्म के पांच सिद्धांत अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, त्याग व चोरी के महत्त्व से सबको रूबरू करा दिया है। उन्होंने इन सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए बताया कि किस प्रकार इन सिद्धांतों के पालन करने से इस प्रकार की भयावह जैविक बीमारियों से बचा जा सकता है। सूर्यास्त पश्चात् भोजन के त्याग एवं उपवास आदि को भी कोरोना जैसी बिमारियों से बचने का बेहतर उपक्रम बताया। इसके अलावा उन्होंने मॉडर्न टेक्नोलोजी को फोकस करते हुए भी कोरोना से बचाव एवं सुरक्षित रहने के लिए कई जानकारियां तेरह प्रमुख बिन्दुओं के माध्यम से प्रदान की।

इससे पूर्व प्रारंभ में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने अध्यक्षीय वक्तव्य प्रदान करते हुए कहा कि बहिनों ने कोविड - 19 के इस दौर में जिस प्रकार अपने एवं परिवार के प्रति जागरूकता का परिचय दिया है उसी प्रकार हमें राष्ट्र के प्रति भी अपने दायित्वों का निर्वहन करना है आज के इस वेबिनार की आयोजना भी उसी का एक हिस्सा है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा ने मुख्य वक्ता डॉ. के. के. अग्रवाल का विस्तृत परिचय सभी के समक्ष अपने प्रभावी वक्तव्य के माध्यम से रखा।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ट्रस्टी श्रीमती मधु दुगड़ एवं कन्यामंडल राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी ने जिज्ञासा समाधान सत्र में बहिनों के प्रश्न एवं जिज्ञासाएं मुख्य वक्ता के समक्ष रखी जिनका समाधान अत्यंत सरल रूप में डॉ. अग्रवाल द्वारा किया गया। वेबिनार के अंत में सभी के प्रति आभार अभातेममं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती माला कातरेला ने किया। वेबिनार का कुशल एवं प्रभावी संचालन अभातेममं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती जयश्री बड़ाला ने किया। ज़ूम एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित इस वेबिनार में हजारों बहिनें एवं सधार्मिक बंधु सहभागी बने।

तत्वज्ञान तेरापंथ दर्शन योजना

जय जिनेन्द्र ,

तत्त्वज्ञान/तेरापंथदर्शन की परीक्षा सभी परीक्षा केंद्रों में दिनांक 17 दिसम्बर 2020 वीरवार व 21दिसम्बर 2020 सोमवार को आयोजित की जायेगी। कोरोना महामारी से बचाव के लिए परीक्षा केन्द्र में सरकारी नियमों का पालन अवश्य करें।

आपके क्षेत्र में जो भी चारित्रात्मायें परीक्षा देना चाहते है तो आप निर्देशिका पुष्पा जी बैगानी 9311250290 या राष्ट्रीय संयोजिका मंजु भूतोड़िया 9312173434 को सूचित करे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का भव्य स्वागत - हैदराबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सम्मानीय राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैद एवं कर्मठ महामंत्री तरुणा जी बोहरा के शुभ आगमन में हैदराबाद महिला मंडल प्रफुल्लित हो उठा। तिलक, माल्यार्पण व स्वागत गीतों से बहनों ने भव्य स्वागत किया। मंडल ने अवसर का लाभ उठाते हुए कार्य समिति की बहनों एवं पदाधिकारी की मीटिंग रखी। मीटिंग से पहले साध्वी प्रमुखा महाश्रमणीजी के दर्शन करने हैदराबाद महिला मंडल की बहनों के साथ गए सम्माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने पूरे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। प्रमुखा श्री जी ने बहुत ही ध्यान से पूरा लेखा-जोखा सुना एवं कन्याओं को संस्कारी बनाने पर जोर दिया, तत्पश्चात नमस्कार महामंत्र के मंगल उच्चारण से मीटिंग का शुभारंभ किया गया। मंडल की बहनों ने प्रेरणा गीत से मंगलाचरण प्रस्तुत किया। अध्यक्ष प्रेम जी पारख ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया, अपने स्वागत भाषण में संघ निष्ठा, गुरु दृष्टि ,सम्मान, मैत्री ,सौहार्द, दृढ आस्था एवं अटल लक्ष्य को महत्व देते हुए उन्होंने कहा अगर यह सुनहरे मोती हमारे पास है तो हमारी संस्था अपने चरणों को निरंतर गतिमान रखेगी। उन्होंने अपनी कार्यसमिति के

क्रियाकलापों का विवरण प्रस्तुत किया। विशेष सहयोगी उप समिति एवं विभिन्न जॉन के कार्यों की जानकारी दी। पदाधिकारी बहनों, कार्यसमिति सदस्यों, कन्या मंडल एवं केंद्रीय कार्य समिति के सदस्यों के कार्यों का गुणगान करते हुए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। जप-तप एवं नारी लोक में आए सभी कार्यों की जानकारी दी, ऑनलाइन रिपोर्ट जैसा कठिन कार्य, ऑनलाइन प्रशिक्षण करोना महामारी के समय भी बराबर चल रहा है इसके लिए केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी ने चार बातों का विश्लेषण करते हुए संगठन को मजबूत बनाने व ऊंचाइयां देने की बात पर बल दिया। युवा बहनों को आगे लाने पर खुशी जाहिर की, तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन, जैन स्कॉलर से जुड़ने की प्रेरणा दी। हैदराबाद मंडल के कार्यों के प्रति उन्होंने खुशी जाहिर की। महामंत्री तरुणा जी ने नवीन कार्यप्रणाली की सभी को जानकारी दी। फिजियोथैरेपी सेंटर व स्वच्छ भारत अभियान में और ज्यादा जागरूकता के साथ काम करने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम का सफल संचालन मंत्री अंजू चोरड़िया ने किया। आभार ज्ञापन सह मंत्री कविता अच्छा ने किया।

राष्ट्रीय महिला आयोग चेयरपर्सन श्रीमती रेखाजी शर्मा से मुलाकात

दिनांक 19 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय महिला आयोग चेयरपर्सन श्रीमती रेखाजी शर्मा से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल एवं मुंबई महिला मण्डल की मुलाकात गोरमेंट हाउस मलाबार हिल में हुई।

उन्हें अपनी संस्था से अवगत कराया अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरुणाजी बोहरा ने। साथ ही उपस्थित मुम्बई महिला मंडल पूर्वाध्यक्ष श्रीमती सुमनजी बच्छावत ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में अवगत कराया एवं मंत्री श्रीमती स्वीटी जी लोढ़ा ने चल रहे अवेयरनेस सेमिनार के बारे में जानकारी दी। रेखाजी शर्मा ने सभी चल रहे कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपकी ये यूनिफॉर्म से में वाफिक हूँ और फिलहाल ही एक सफलतम वेबिनार आपके साथ किया आप काफी अच्छा काम महिला सशक्तिकरण को लेकर कर रही है और हम चाहते है कि एक अवेयरनेस प्रोग्राम हमारे लिये भी अवश्य करें, इसके लिये जल्दी ही वापिस मुलाकात होगी। मुंबई महिलामण्डल उपाध्यक्ष श्रीमती रचनाजी हिरण, मीनाजी कच्छारा, लतिकाजी डागलिया की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

जोधपुर कन्या मण्डल के नव गठन के उपलक्ष्य में मण्डल को हार्दिक बधाई व बहुत-बहुत शुभकामना

दिनांक 10-10-2020 शनिवार के दिन Virtual Zoom Meeting में अ.भा.ते.म.म. के सम्माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद की उपस्थिति में जोधपुर कन्या मण्डल का नवगठन हुआ।इस Zoom Meeting में अ.भा.ते.म.म. ट्रस्टी श्रीमती प्रियंका जैन,कन्या मण्डल प्रभारी श्रीमती रमण पटावरी, कन्या मण्डल सह प्रभारी श्रीमती नमिता सिंघी,कार्यसमिति सदस्य श्रीमती कनक बैद व जोधपुर महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती बिमला बैद, मंत्री अमिता बैद, कन्या मण्डल प्रभारी श्रीमती प्रियंका बैद, सभी पदाधिकारीगण सहित पूरी कार्यसमिति एवं कन्या मंडल उपस्थित थी। मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा बैद द्वारा संयोजिका सुश्री ख़ुशी जैन व सह संयोजिका सुश्री हर्शिका पटावरी को शपथ दिलाई व सभी को हार्दिक बधाई दी।

रास्ते की सेवा भावना

अभातेममं का अभिनव अभिक्रम, निर्जरा का है यह महनीय उपक्रम।
प्रारंभ हो रहा है भावना चौका, शाखामंडलों को फिर मिल रहा मौक़ा ।

भावना सेवा

सम्मानीय शाखा मंडल,

सादर जय जिनेन्द्र,

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दिसम्बर 2020 से पुनः रास्ते की सेवा का महनीय उपक्रम प्रारंभ होने जा रहा है। पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के शुभ आशीर्वाद एवं वात्सल्य की प्रतिमूर्ति महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री जी के कृपा से कर्म निर्जरा के इस उपक्रम से हमें जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अतः आप सभी शाखा मंडलों की बहनों से विनम्र निवेदन है कि सेवा के इस महायज्ञ में जुड़ें और गुरु सन्निधि का लाभ उठावें। प्रत्येक शाखा मंडल 7-7 बहनों के समूह में आकर 7 दिन सेवा प्रदान करें। रास्ते की सेवा हैदराबाद से भीलवाड़ा की और होगी। बहनें अपनी सुविधानुसार रास्ते की सेवा के लिये नाम लिखवा दें।

संयोजिका-श्रीमति पुष्पा बोकड़िया (9312223397) श्रीमति सरला श्रीमाल (9916119997)

ब्रैनविटा क्विज - Grand Finale

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के मोबाइल एप्प पर महीने की हर 1 और 15 तारीख को दोपहर 2 से 5 बजे तक क्विज को आप सभी शाखा मंडलो ने अति उत्साह से भाग लेकर सफल बनाया। आप सब की जागरूकता को देख आगामी 7 नवंबर को अभी इस एक वर्ष के दौरान हुई 20 क्विज के प्रथम 50 toppers का grand finale आयोजित किया जा रहा है।

दिनांक व समय : 7 नवंबर 2020 दोपहर 2 से 4.30 बजे

पहली बार क्विज live खेली जाएगी एवं सभी दर्शकों के लिए इसे ABTMM के FB PAGE पर LIVE किया जाएगा। क्विज के Top 50 Participants की सूची अतिशीघ्र व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेषित कर दी जाएगी।

संपर्क सूत्र : जयश्री जोगड़ - 90282 84801

भक्तामर अध्ययन कार्यशाला

कार्यशाला का शुभारंभ 17 अक्टूबर 2010 नवरात्रि के प्रथम दिन दोपहर 3:00 बजे किया गया । इस उद्घाटन सत्र में लगभग 900 से अधिक परिवार इस उद्घाटन सत्र के साक्षी बने।

अध्ययन कार्यशाला का उद्देश्य है

सीखें शुद्ध उच्चारण-समझें अर्थ

श्रद्धा जागृत कर-जानें कैसे बनें समर्थ।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में पनप रही इस परियोजना को मूर्त रूप देने हेतु अ.भा.ते.म.मं. की नवमनोनीत शिल्पा बैद ब्रह्ममुर्हत में व दुपहर 3.00 से 4.30 अध्ययन करवाती है। मण्डल के सदस्यों में एक अनूठा उत्साह देखा गया। कार्यशाला के साथ साथ ही मण्डल ने ब्रह्म मुहूर्त में सामूहिक भक्तामर जप अनुष्ठान व पश्चिम रात्रि नवान्हिक अनुष्ठान का आह्वान भी एकम से ही किया। यह कार्यशाला व भक्तामर जप लगभग 6 सप्ताह तक चलेगें, ऐसा अनुमान है ।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य प्रवर द्वारा उच्चारित मंगल पाठ से हुआ। अ.भा.ते.म.मं की मुख्य ट्रस्टी श्रीमती शांता देवी पुगलिया ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इस नए सत्र के उद्घाटन की घोषणा की। अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने सभी से आह्वान किया कि इस उपक्रम का अधिक से अधिक लाभ लिया जाए। महामारी के अनिश्चितता के इस काल को नित्य आराधना कर ऋषभमय बनाया जाए । महामंत्री तरुणा जी बोहरा ने अपने वक्तव्य में जोश का जायका डाल कर सभी के उत्साह को दोगुना किया। अच्छी संख्या में उपस्थित हो कर अ.भा.ते.म.मं की सम्पूर्ण टीम ने अपना सहयोग, सहमति व सहभागिता व्यक्त की। कार्यक्रम का कुशल संचालन मण्डल की कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती वंदना जी बरड़िया ने किया । आभार की श्रृंखला में लगी लम्बी कतार को कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती प्रभा जी घोड़ावत ने सहजता से समेटते हुए कार्यक्रम को समापन की ओर मोड़ा। तकनीकी सहयोग प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती निधि जी सेखानी व team का सराहनीय था।

उद्घाटन सत्र के विशेष आकर्षण के बिंदु रहे :-

1. संघ गायिका श्रीमती मीनाक्षी जी भूतोड़िया की तीन सुरमयी प्रस्तुतियां।

2. उभरता हुआ सितारा 19 वर्षीय युशिका जी बैद की ''**ॐ ऋषभाय नमः**'' की अर्द्ध शास्त्रीय नवीन राग,नवीन धुन में प्रस्तुति ।

3. खुशाल जी शर्मा की राग भैरवी में, दो सौ वर्ष पुरानी चतुर्थ आचार्य श्रीमद्जयाचार्य कृत प्रथम चौबीसी का संगान। ॐ अर्हम ।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल में दो नए सदस्य का चयन

श्रीमती ज्योति जैन -कोलकाता एवं श्रीमती शिल्पा बैद -दिल्ली को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का सदस्य बनाया गया, दोनों को हार्दिक बधाई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा फिजियोथैरेपी सेन्टर का उद्घाटन

27 अगस्त 2020 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल जयपुर-शहर द्वारा जमवारामगढ़ में आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अ.भा.ते.म.मं. की ट्रस्टी श्रीमती सौभागजी बैद, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नेहा नागौरी, कन्या मंडल प्रभारी शैली बाफना, बीनाजी लुनिया, पायल बैद तथा जमवारामगढ़ के प्रधान जी तथा जी न्यूज के रिर्पोटर व गाँव के लोगों की उपस्थिति में उद्घाटन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष श्रीमती नेहा नागौरी ने सबका स्वागत व आभार ज्ञापन किया। इसके प्रायोजक हैं श्रीमती सायर देवी - हीरालाल जी मालू बैंगलुरु।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा ऐसे सेन्टर के निर्माण से कई बिमारियों के इलाज से बहुत सारे लोगों को लाभ मिलेगा। इस सेन्टर के डायरेक्टर मुकेश जायसवाल ने कहा इस सेन्टर के निर्माण से काफी जरूरतमन्द लोग लाभान्वित होंगे। यहाँ पर फिजियोथेरेपी सेन्टर की बहुत आवश्यकता थी और सभी को धन्यवाद दिया।

आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन 24 अगस्त सुबह 9:15 बजे त्रिवेणी नगर में किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सम्माननीय राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी बैद के कर कमलों द्वारा इस फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग् जी बैद ने नवकार मंत्र का और मंगल पाठ द्वारा किया। अध्यक्ष नेहा नागौरी ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मधु जी श्यामसुखा जयपुर शहर महिला मंडल की अध्यक्ष नेहा नागोरी, मंत्री सुमन कोठारी, शकुंतला जी चौरडिया, कन्या मंडल प्रभारी शैली जी बाफना, नीरू जी मेहता, चंचल जी दूगड़, सोनम जी कोठारी, डॉ हेमराज जी गुप्ता, अन्य सभी गणमान्य सदस्यों की मौजूदगी में फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन सानंद संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी बैद ने कहा इन फिजियोथैरेपी सेंटर के माध्यम से आज कोरोना का काल में भी लोगों को घर बैठे अनेक शारीरिक समस्याएं हो रही है उनका निदान हो सकेगा।

31 अगस्त 2020 को तेरापंथ महिला मंडल जयपुर-सी-स्कीम द्वारा S.V.N. संस्थान झोटवाड़ा में आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नीरू पुगलिया, मंत्री श्रीमती प्रज्ञा सुराणा, सहमंत्री श्रीमती संतोष सुखानी, कोषाध्यक्ष श्रीमती ललिता रायजादा थी। S.V.N. संस्थान के अध्यक्ष जितेन्द्र जी ने बताया उनकी संस्था कच्ची बस्ती तथा गरीब घर के बच्चों को पढ़ाती है तथा इस फिजियोथेरेपी सेन्टर से काफी दिव्यांग बच्चे लाभान्वित होंगे। अध्यक्ष श्रीमती नीरू पुगलिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस सेन्टर के प्रायोजक - बैंगलुरु निवासी श्रीमती शायर-हीरालाल जी मालू। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा सेंटर के निर्माण से विकलांग बच्चों को अच्छा लाभ मिलेगा उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इन फिजियोथैरेपी सेंटर के माध्यम से सभी प्रकार के जोड़ों के दर्द से एवं अन्य दर्द का निवारण किया जा सकेगा। इन फिजियोथैरेपी सेंटर के प्रायोजक सुजानगढ़ निवासी बेंगलुरु प्रवासी श्रीमती शायर देवी हीरालाल जी मालू का विशेष सहयोग रहा। मंत्री सुमन कोठारी ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

3 सितम्बर 2020 को तेरापंथ महिला मंडल सी-स्कीम जयपुर द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर का

उद्घाटन आदर्श मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह, कानोता रोड़ में किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद एवं उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने नवकार मंत्र के उच्चारण द्वारा सेन्टर का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती नीरू पुगलिया, मंत्री प्रज्ञा सुराणा, उपाध्यक्ष कनक आंचलिया, कोषाध्यक्ष ललिता रायजादा एवं विजया डागा उपस्थित थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शुभकामना देते हुए कहा इन दिव्यांग बच्चों के लिए ऐस एक्यूपमेंट के प्रयोग से शारीरिक विकास होगा, भविष्य में न केवल अपने दैनिक अपितु कुछ कार्य सीखकर अपना भविष्य सुधार पाएंगे। अध्यक्ष नीरू पुगलिया ने सबका आभार व्यक्त करते हुए प्रायोजक – बैंगलुरु निवासी श्रीमती शायर–हीरालाल जी मालू का आभार व्यक्त किया। संस्थान की प्रिन्सिपल श्रीमती नमिताजी ने मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया तथा संस्थान के डायरेक्टर महेश शर्मा ने कहा – इस सेन्टर के निर्माण से काफी दिव्यांग बच्चे लाभान्वित होंगे।

अहमदाबाद में फिजियो थेरेपी सेंटर का उद्घाटन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद द्वारा दूसरे आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन किया गया। जिसके प्रायोजक संस्था सदस्य Dr श्रीमती लक्ष्मी बेन हँसमुखभाई अग्रवाल एवं श्रद्धा की प्रतिमूर्ति सुंदर देवी अमृत लाल जी चोपड़ा है।

मुनि श्री मोहजीत कुमार जी के मंगल पाठ से फिजोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन किया गया।

अध्यक्ष मनीता जी चोपड़ा द्वारा मंगल स्त्रोत का उच्चारण किया गया। उपाध्यक्ष मीना जी कोठारी, सह मंत्री संगीता बांठिया, प्रचार प्रसार मंत्री अनिता कोठारी, शिक्षा मंत्री श्रीमती शशि देवी चोपड़ा की उपस्थिति में फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन किया गया ! कोरोना वायरस के कारण मास्क लगाकर व नियमों का पालन करते हुए फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन 11 October 2020 को किया गया। आभार ज्ञापन मंत्री प्रतीक्षा सुतरिया ने किया!

तेरापंथ महिला मण्डल उधना द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारंभ।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मण्डल उधना द्वारा स्थाई सेवा प्रकल्प आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का मंगल शुभारंभ जैन संस्कार विधि से किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की सहमंत्री श्रीमती मधुजी देरासरिया मुख्य अतिथि एवं अखिल भारतीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती निधिजी शेखानी को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया एवं उनके द्वारा फिजियोथेरिपी सेंटर का उदघाटन किया गया।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल सहमंत्री मधुजी देरासरिया, विशेष अतिथि अखिल भारतीय प्रचार प्रसार मंत्री निधिजी शेखानी, महासभा उपाध्यक्ष लक्ष्मीलालजी बाफना, पुलिस इन्स्पेक्टर श्री एम. वी. पटेल, ऑर्थोपेडिक सर्जन जिग्नेशभाई शाह विशेष उपस्थित रहे। तेरापंथ महिलमण्डल उधना अध्यक्षा श्रीमती श्रेया जी बाफना ने सभी पधारें हुए अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया।

अखिलभारतीय तेरापंथ महिलमण्डल राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पाजी बैद एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरुणाजी बोहरा का वर्चुअल शुभकामना संदेश ऑडियो के माध्यम से कार्यक्रम में सुनाया गया जिसने राष्ट्रीय अध्यक्षाजी एवं महामंत्री जी की लाइव उपस्थिति सा अहसास करवा दिया।

पधारे हुए सभी अतिथियों ने उधना महिला मंडल को शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की। कार्यकर्ताओ एवं सभी अर्थ सहयोगी दान दाताओं का मोमेंटो से सम्मान किया गया। पधारे हुए सभी डॉक्टर्स का साहित्य के द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन तेरापंथ महिला मण्डल उधना मंत्री महिमाजी चोरड़िया, परामर्शिका दिलखुश जी मेड़तवाल एवं आभार जरस्सू जी बाफना के द्वारा किया गया।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी - नवम्बर 2020

प्रिय बहनों, सादर जय जिनेन्द्र!

हम सभी ने आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष पर संबोधि एवं कर्मवाद पुस्तक का स्वाध्याय कर जीवन को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने का छोटा सा प्रयास किया। आप सभी ने बहुत ही उत्साह के साथ इन पुस्तकों का अध्ययन कर प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। निर्जरा के इस कार्य हेतु आप सभी को साधुवाद।

बहनों! अब नवम्बर माह से हमारी प्रश्नोत्तरी आ.श्री महाश्रमणजी की ''धम्मों मंगल मुक्किंठ' और 'सुखी बनो' पुस्तक पर आधारित रहेगी।

संदर्भ पुस्तक - धम्मो मंगलमुक्किठं पृष्ठ संख्या 1 से 22
सुखी बनो पृष्ठ संख्या 1 से 17

(अ) मुझे पहचानो -

1. मेरा तीसरा प्रकार है संकल्पजा हिंसा।
2. मेरे निर्देशन के साथ उत्तराध्ययन सूत्र का प्रारम्भ होता है।
3. गीता में मुझे छोड़ने का उपदेश दिया गया है।
4. मैं जैन धर्म का सार हूँ।
5. मेरे जीवन में कर्तव्यनिष्ठा एक महत्वपूर्ण तत्व होता है।
6. मेरा अर्थ है अन्धकार।
7. मैं जीवन में आ जाता हूँ तो आदमी का जीवन विकासशील बन जाता है।
8. संपूर्णज्ञान का प्रकाशन मेरी भूमिका में ही हो सकता है।
9. मुझसे आदमी को प्रकाश आलोक मिलता है।
10. मैंने कहा कि तुम कर्म करने के अधिकारी हो फलाशंसा मत रखो।

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। उत्तर में प्रथम अक्षर (अ, आ) आना आवश्यक है।

1. नहीं महाराज! आप तो हमारी चालू भाषा से भी ..... है।
2. ये बंद्ध ..... में द्रव्य पुण्य-पाप तथा उदय अवस्था में भाव पुण्य पाप कहलाते है।।
3. ..... को कर्मकर्ता माना गया है।
4. मन, वचन, काय के शुभ योग ..... रहते हैं।
5. इसी प्रकार जीवन के आश्रवद्धार रुक जाने से कर्म का ..... बन्द हो जाता है।
6. गहन चिन्तन-मनन और ..... से नई दृष्टि अनावृत हो सकती है।
7. सिद्ध जीव अशरीर, अवाक् और ..... होते हैं।
8. नभचर ..... में उड़ने वाले जीव।
9. बार ..... करी, पिण काज न सरिया रे।
10. छह द्रव्यों में दूसरा ..... द्रव्य है अधर्मास्तिकाय।
11. ..... कर्मों में प्रत्येक कर्म पुण्य और पाप दोनों प्रकार का होता है।
12. ..... योग निरुद्ध हो जाने से निवृत्ति हो जाएगी।
13. नव तत्वों में पांचवा तत्व है .....।
14. जिस जगत में हम जी रहे हैं वह जीवात्मक और ..... है।
15. यह ..... आठ कर्मों में से कौन से कर्म के उदय से है?

नोट : • प्रश्नों के उत्तर *Google Form* के द्वारा भेजने रहेंगे। अंतिम तिथि 25 नवम्बर है।

• *Google Form* की *Link* आपको *Team Group* में प्रेषित कर दी जायेगी।

• सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि *Link* अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।

• प्रश्नोतरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि *Link* के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।

• अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत

मो. : 9427133069 E-mail : madhujain312@gmail.com

अक्टूबर माह के उत्तर

(अ) रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. नियम	2. निगोद	3. नियति
4. मृत्यु	5. गाय	6. दर्शन
7. नियति	8. काल	9. फसल
10. वर्तमान	11. छककर	12. कर्मवाद
13. शक्ति	14. अचेतन	15. सुख-दुःख
16. आरोग्य	17. अधर्म	18. गुणी
19. शारीरिक	20. स्वतंत्रता	21. धर्म ध्यान

अक्टूबर माह के भाग्यशाली विजेताओं के नाम अगले अंक में प्रकाशित किये जाएंगे।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

3,00,000	गुप्त दान।
3,00,000	श्रीमती रंजू-श्रीमान मनोज जी, श्रीमती हर्षिका रौनक लुणिया-चाढ़वास (शिलोंग) द्वारा सप्रेम भेंट।
1,51,000	मातुश्री श्रीमती भंवरी देवी, श्रीमती प्रेम-श्रीमान बसंत जी, श्रीमती कुसुम-पंकज जी नौलखा- बीकानेर द्वारा अपनी पुत्री प्रज्ञा की शादी के उपलक्ष में सप्रेम भेंट
1,21,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल – हैदराबाद द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल – दिल्ली द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल – सूरत द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल – नोएडा द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल – पूर्वांचल कोलकाता द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल – पीलीबंगा द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल – अंकलेश्वर द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद – ''पावन'' बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर – 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा – 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई – 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया – लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग-793001 (मेघालय) मो: 94361033330, 8787645164 ईमेल lmplshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org